विचार बिन्दु

जिस तरह घोंसला सोती हुई चिड़िया को आश्रय देता है उसी तरह मौन तुम्हारी वाणी को आश्रय देता है। –रवींद्रनाथ ठाकुर

चुनाव का प्रथम चरण पूरा हो गया

देश की 5 विधान सभाओं के चुनाव की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। ये राज्य हैं, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मिजोरम। लेख का संबंध राजस्थान विधानसभा से है। चुनाव प्रक्रिया को तीन खण्डों में बाँटा जा सकता है। नोमिशन, विद्ड्रोअल व मतदान व चुनाव का रिजल्ट। नामांकन की प्रक्रिया एक प्रकार से ऐतिहासिक रही है। सभी राजनैतिक पार्टियां भ्रमित सी लग रही थीं। उम्मीदवार के सेलेक्शन के लिये किसी भी पार्टी के कोई नियम नहीं दिखाई दिये। निर्णय लेने की क्षमता में सभी राजनैतिक पार्टियां काफी कमजोर दिखाई दी हैं।

साधारणत: उम्मीदवारों की लिस्ट एक अथवा दो होती रही है। इस बार तो सात तक लिस्टें प्रकाशित हुई हैं। अन्तिम चौकाने वाली थीं। राजनीतिक पार्टियों ने सम्भवत: यह घोषणा कर दी थी कि अपनी पार्टी छोडो और विरोधी पार्टी से टिकट प्राप्त करो। कांग्रेस व बीजेपी में इस बाबत होड़ लगी हुई है। कांग्रेस विधायक मलिंगा को बीजेपी ने बाडी से टिकट दिया। कर्नल सोनाराम चौधरी, मनीषा पंवार, प्रशांत शर्मा को कांग्रेस में आते ही तत्काल टिकट दे दिया। मानों यह तो पहले ही तय था। ज्योति खण्डेलवाल ने बीजेपी में शामिल हुई, इसका कारण यह बताया गया कि कांग्रेस में उनकी कोई पूछ ही नहीं रही। लगातार हारने वालों को टिकट दिये गये। कारण बताया कि पार्टी की यही नीति रही है कि सभी संघटनों को प्रतिनिधित्व दिया जावे। कई उम्मीदवारों की सीटें बदली गई। कई नये चेहरे भी लिये तो कई बडे-बडे नेताओं का नाम लिस्ट में पढने को नहीं मिले।

ऐसा प्रतीत होता है कांग्रेस व बीजेपी दोनों ने टिकट तो दिये किन्तु उनका विवेक क्या था, यह समझ से परे था। यह पहली बार हुआ कि पार्टी ज्वाईन करो और तत्काल टिकट पाओ। चुनाव बहुत नाटकीय होगा और कई नतीजे विस्मय पैदा करने वाले होंगे। कई सीटों के चुनाव दिलचस्प होंगे। गुर्जर बनाम गुर्जर, और जाट बनाम जाट की टक्कर का तमाशा यादगार रहेगा वोटों का ध्रुवीकरण होने से मुकाबला रोचक होगा। शायद इस बार हिन्दुत्व का नारा चलेगा और मुस्लिम वोट बटेंगे। गणित के कई गुर टूटते नजर आयेंगे। चुनाव में खडे उम्मीदवार कुछ समय के लिये धार्मिक हो जायेंगे। पुजारी के भाव बढ़ जावेंगे। प्रसाद की बिक्री बढेग़ी, कुछ को रोजगार भी मिलेगा। चुनाव के मैदान में आप सीख सकते हैं, लव-जिहाद, सनातन हिन्दुत्व धर्म परिवर्तन क्या है?

गत वर्षों में हेट स्पीच पर कोर्ट ने तथा समाज ने राजनीतिक पार्टियों की अच्छी खिंचाई की थी। चुनाव के समय हेट स्पीच चुनाव कानून के अनुसार अपराध है और गलत आचरण भी, इसके कारण चुनाव के नतीजे गंभीर रूप से प्रभावित होना माना जा सकता है और चुनाव निरस्त तक हो सकता है।

चुनाव के समय विशेषकर अपनी पार्टी बदलकर दूसरी पार्टी ज्वाईन करने पर भी दल बदल कानून लागू किया जा सकता है अथवा नया कानून बनना चाहिये। जो उम्मीदवार नोमिनेशन भरते समय अपनी राजनीतिक पार्टी छोडकर दूसरी राजनीतिक पार्टी में शामिल होता है, तो उसे क्पुनंसपलि किया जाना चाहिये। साथ ही विधायक को दी जाने वाली पेंशन नहीं दी जानी चाहये। उस सीट को जिससे वह चुनाव लडना चाहता है, वेकेन्ट मानकर दुबारा चुनाव होने चाहिये।

विशेषज्ञ मानते हैं कि बागी प्रत्याशी 30 हैं जो सीट बदल सकते हैं। भाजपा व कांग्रेस के ये प्रत्याशी वे हैं जो भाजपा-कांग्रेस के पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता बागी होकर चुनाव के दंगल में जोर आजमा रहे हैं। ऐसे प्रत्याशी कांग्रेस व भाजपा दोनों ही पार्टियों का समीकरण बिगाड सकते हैं। दोनों ही पार्टियां डेमेज कन्ट्रोल पर कडी मेहनत कर रही हैं। बागियों को मनाने में लगी हुई हैं। विद्ड्रोवल की तारीख 9.11.2023 थी संभावना है कि कुछ लोग उसे दिन तक अपना नाम ही विद्ड्रो कर सकते है। छत्तीसगढ़ के प्रथम चरण और मिजोरम की 40 सीटों पर चुनाव दिनांक 7.11.2023 को था, इससे भविष्य की एक झलक जरूर देखने को मिलेगी।

चुनाव में खड़ा होने वाला पढ़ा लिखा होना चाहिये। उसे संविधान की जानकारी हो और अनुच्छेद 51क में जो कर्त्तव्य दिये हैं, उन्हें निष्ठा के साथ निभाने की शपथ/घोषणा करनी चाहिये। नामांकन पत्र में यह घोषणा होनी चाहिये और साथ ही प्रत्येक प्रत्याशी को यह भी घोषणा करनी चाहिये कि वह जीवन में घूस न तो लेगा और देवेगा।

देश की सभी राजनीतिक पार्टियां मुफ्त की रेवड़ी बांटने में लगी है। पीएम मोदी ने घोषणा की है कि फ्री राशन आगामी 5 वर्षों तक जनता को मिलता रहेगा। यह घोषणा प्रधानमंत्री ने पाँच राज्यों के चुनाव के दौरान की है। क्या ऐसी घोषणा कोई भी राजनीतिक पार्टी करे, वह भी चुनाव के समय लालच को जन्म देती है? क्या यह चुनाव की Corrupt Practice है? कुछ भी हो यह गम्भीर बहस का विषय है। हमारी संस्कृति कर्मवादी है, अत: स्वयं की कमाई पर निर्भर रहना उचित है। भारत कल्याणकारी राज्य है और कल्याणकारी राज्य का काम है कि जनता के लिये रोजगार के साधन पैदा करे ताकि वह जीने की कला में व गुणवत्ता में उचित सुधार के महत्व को समझ सके।

मुफ्त की रेवडी बांटना वास्तव में मतदाता को घूस देना है प्रलोभन देना है। जाति व धर्म के नाम पर वोट मांगना अथवा वोट देने से मना करना करप्ट आचरण है। सरकारी कर्मचारी से अपने हित में चुनाव संबंधित काम कराना जो चुनाव के रिजल्ट को प्रभावित करता है चुनाव अपराध है।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 जिसे आर पी एक्ट द्वारा लेख में प्रयोग होगा वह चुनावों में निष्पक्षता और स्वच्छ आचरण के हेतु संसद ने बनाया है। आर पी एक्ट की धारा 123 में Corrupt Practice को परिभाषित किया गया है। इसका अर्थ है चुनाव में स्वच्छता हो, बल प्रयोग, प्रलोभन, घूस, मिस रिप्रेजन्टेशन, इमपरसोनेशन के हेतु कोई स्थान नहीं है। यानी ये चुनाव अपराध है। जनता जानती है मतदाता को शराब बांटी जाती है, नकद देते हैं, स्कूटी, कम्प्यूटर आदि दी जाती है। भाषणों में हेट स्पीच का प्रयोग किया जाता है। इनको रोकने का प्रयत्न कानून बनाकर किया जाता है। वर्तमान कानून में व्यवस्था है, किन्तु वे पर्याप्त नहीं है। अत: आर पी एक्ट 1951 को नये सिरे से संशोधित करना होगा। चुनाव की घोषणा के बाद रेबडी बांटना बंद हो और जनता से यानी मतदाताओं से वायदा करना। संगीन अपराध माना जाता है।

चुनाव में खडा होने वाला पढा लिखा होना चाहिये। उसे संविधान की जानकारी हो और अनुच्छेद 51क में जो कर्त्तव्य दिये हैं, उन्हें निष्ठा के साथ निभाने की शपथ/घोषणा करनी चाहिये। नामांकन पत्र में यह घोषणा होनी चाहिये और साथ ही प्रत्येक प्रत्याशी को यह भी घोषणा करनी चाहिये कि वह जीवन में घूस न तो लेगा और देवेगा। आर पी एक्ट 1951 में इन घोषणाओं का उल्लेख होना चाहिये और इनकी पालना न होने पर प्रत्याशी को दण्डित किया जाना चाहिये, उसका चुनाव भी रद्द किया जा सकता है।

चुनाव में प्रचार के हेतु रेली निकाली जाती है, कभी कभी रेली दंगों में तब्दील हो सकती है अत: इसे बंद किया जाना चाहिये और इसके स्थान पर वर्चुवल मीटिंग जैसी व्यवस्था होनी चाहिये।

चुनावों में बडे लोग मतदान करने नहीं आते हैं, अत: चुनाव में मतदान को आवश्यक कर्म मानना चाहिये और जानबूझकर, इसके उल्लंघन को अपराध बनाया जाकर दण्डित किया जाना चाहिये।

चुनाव में सबसे बडी समस्या बागियों की है। बागियों में अधिकांश प्रत्याशी प्रभावशाली होते हैं अथवा बडे नेता। भाजपा में चार दर्जन से अधिक बागियों ने नामांकन पत्र भरा है। बागियों में कुछ ने बतौर निर्दलीय व कुछ ने आरएलपी के टिकट पर नामांकन दाखिल किया है वह भी अपने तेवर दिखाते हुये नामांकन पत्र भरे हैं। चुनाव में इस बीमारी को रोकना होगा।

कानून में चुनाव के खर्चे का विवरण प्रत्याशी को चुनाव अधिकारी को देना आवश्यक है; किन्तु जो मान्य खर्चा माना गया है, वह बहुत ही कम है। इसे बढाना आवश्यक है। देश में चुनाव के खर्चे पर समय समय विचार होता रहा है, कोई कहता है, खर्चा सरकार को उठाना चाहिये। कोई यह भी कहता है कि खर्चे पर प्रतिबंध उचित नहीं है। इस समस्या को सुलझाने की दृष्टि से इलेक्टरल बॉण्ड की योजना सरकार लेकर आई है। इसकी वैधानिकता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट बहस सुन चुकी है और निर्णय शीघ्र आ सकता है।

जयपुर में नामांकन पत्रों के संबंध में जो रिपोर्ट आई है उसमें 35 नामांकन स्कूटनी के बाद 19 सीटों पर 254 प्रत्याशी बचे हैं। नाम वापिस लेने (Withdrawal) की तारीख 9.11.2023 तक है। चुनाव का पहला चरण पूरा हुआ। दूसरा चरण मतदान का तथा तीसरा चरण चुनाव के रिजल्ट का है। विधान सभा बनने के समय और इसके बाद भी दल बदल की घटना कभी भी हो सकती है।

सावधान! मतदाता तेरी जय हो!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

दीपावली–पाँच दिन उत्सव और पर्व दीपावली

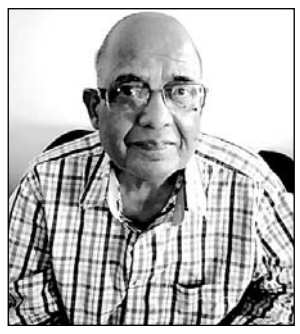

डा. जे के गर्ग

भारतवर्ष के अंदर दीपावली पाँच दिन का पर्व और उत्सव को कार्तिक कृष्णा तेरस से कार्तिक शुक्ल दूज तक हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाई जाती है जिन्हें धनतेरस, नरक चतुर्दशी, अमावस्या दीपावली, बाली प्रतिपदा गोवर्धन पूजा एवं यम द्वितीया या भाई दूज के रूप में जाना जाता है। इन सभी दिनों के बारे में अनेक किंवदन्तियाँ पौराणिक और धार्मिक मान्यता है। उल्लेखनीय महाराष्ट्र में दिवाली का पर्व छह दिनों तक मनाया जाता है यहाँ दिवाली वासु बरस या गौ वास्ता द्वादशी के साथ शुरू होता है और भैया दूज के साथ समाप्त होता है।

पांच दिन के पर्व दिवाली का प्रथम दिन धनतेरस या धनवंतरी त्रयोदशी के रूप में मनाया जाता है धनतेरस का अर्थ है धन एवं संपत्ति है। धनतेरस को देवताओं के चिकित्सक भगवान धन्वंतरि की जयंती के रूप में मनाया जाता है, पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक भगवान धनवंतरी समुद्र मंथन के दौरान अवतरित हुए थे। इस दिन को शुभ मानते हुए लोग बर्तन, सोना-चादीं जेवरात आदि खरीदना शुभ और मंगलकारी मानते हुए इसकी खरीदारी करते हैं। पांच दिन के पर्व दिवाली के दूसरे दिन चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी के रूप में मनाया जाता है, कुछ स्थानों पर इसको छोटी दिवाली भी कहते हैं। कहा जाता है कि ईसी दिन भगवान कृष्ण ने राक्षस नरकासुर को मारा था। नरक चतुर्दशी को बुराई एवं अंधकार पर अच्छाई एवं प्रकाश की विजय के संकेत के रुप में मनाया जाता है। छोटी दिवाली के दिन लोग अपने घरों के आसपास बहुत से दीपक जलाते है और घर के बाहर रंगोली बना कर खुशी का इजहार करते है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का महत्व गंगा के पवित्र जल में स्नान करने के समकक्ष माना जाता है। पांच दिन के पर्व के तीसरे दिन अमावस्या को दीपावली के यूप में मनाया जाता है इस दिन सभी घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठान, कार्यस्थलों, ऑफिसों में धन-संपदा की देवी लक्ष्मी माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है और विपत्ति-कष्ट के निवारण के लिये प्रथम देव भगवान गणेशजी की भी पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि माता लक्ष्मी घर-परिवार में सुख- समृद्धि प्रदान कर समस्त परिजनों को आशिर्वाद देकर उन पर धन-धान्य की वर्षा करेंगी। नगर, गलियों, घरों, सार्वजनिक जगहों पर दिये की रोशनी से अमावस्या के अँधेरे को शीतल पूर्णिमा की चांदनी मे बदल दिया जाता है। पांच दिन के पर्व के चौथे दिन बाली प्रतिपदा और गोवर्धन पूजा के रूप में मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसका गोवर्धन पूजा (अन्नकूट) के रूप में मनाया जाता है। भगवान कृष्ण द्वारा इंद्र के गर्व को पराजित करके लगातार बारिश और बाढ़ से बहुत से लोगों (गोकुल वासी) और मवेशियों के जीवन की रक्षा करने के महत्व के रुप में इस दिन जश्न मनाते है। अन्नकूट मनाने के महत्व के रुप में लोग बडी मात्रा में भोजन की सजावट(कृष्ण द्वारा गोवर्धन पहाड़ उठाने प्रतीक के रुप में) करते है और पूजा करते है। यह दिन कुछ स्थानों पर दानव राज बाली पर भगवान विष्णु (वामन) की जीत मनाने के लिये भी बाली-प्रतिपदा के रूप में मनाया जाता है। कुछ स्थानों जैसे महाराष्ट्र में यह दिन पड़वा या नव दिवस (रूप में भी मनाया जाता है और सभी पति अपनी पत्नियों को उपहार देते है। गुजरात में इसको नये दिन के रूप में भी मनाते हैं यह विक्रम संवत नाम से कैलेंडर के पहले दिन के रूप में मनाया जाता है। दिवाली पर्व के पांचवे दिन को यम द्वितीया या भाई दूज के रूप में मनाते हैं इस दिन को भाए बहनों के अटूट स्नेह बंधन के पर्व में जाना जाता है इस पर्व के पीछे मृत्यु के यम की कहानी है। आज के दिन यमराज अपनी बहन यामी यमुना से मिलने आये और अपनी बहन द्वारा उनका आरती के साथ स्वागत हुआ और यम एवं यामी ने साथ साथ में खाना भी खाया। यम ने अपनी बहन यामी को अनेकों उपहार भी दिये। लोग यम द्वितीया या भाई दूज को बहन-भाई के पारस्परिक प्रति प्रेम और स्नेह के रूप में मनाते है।

कार्तिक अमावस्या को ही दीपावली मनाई जाने के पीछे धार्मिक सामाजिक वैज्ञानिक मान्यता

माना जाता है कि कार्तिक महीने की अमावस्या को देवताओं द्वारा समुद्र मंथन के समय देवी लक्ष्मी क्षीर सागर से ब्रह्माण्ड में अवतरित हुई थी। इसी वजह से कार्तिक महीने की अमावस्या को माता लक्ष्मी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में दिवाली के त्यौहार के रूप में मनाना शुरू किया था भगवान। कृष्ण ने कार्तिक महीने की चतुर्दशी को नरकासुर को मार कर समस्त महिलाओं को मुक्त करवा के उनकी जान बचाई थी इसलिए दीपावली से एक दिनपूर्व चतुर्दशी को इस घटना को उत्सव के रूप में मनाया जाता है। महाभारत के अनुसार 12 वर्ष के निष्कासन एवं एक वर्ष के अज्ञातवास के बाद कार्तिक महीने की अमावस्या को पांडव राज्य में सकुशल लौटे थे। पांडवों के वापस लौटने से वहां के लोग बहुत खुश थे, उन्होंने मिट्टी के दीपक जलाकर और पटाखे जलाकर पांडवों के लौटने दिन को मनाना शुरू कर दिया। बहुत समय पहले एक राक्षस था जिसने लड़ाई में सभी देवताओं को पराजित किया और सारी पृथ्वी और स्वर्गको अपने अधिकार में ले लिया। तब माँ काली ने देवताओं, स्वर्ग और पृथ्वी को बचाने के उद्देश्य से देवी दुर्गा के मष्तिष्क से जन्म लिया था। राक्षसों की हत्या के बाद उन्होंने अपना नियंत्रण खो दिया और जो भी उनके सामने आया उन्होंने हर किसी की हत्या करनी शुरू कर दी। भगवान शिव ने माता काली के चरणों में लेट गये जिससे उनका क्रोड़ शांत हुआ बंगाल उडीसा उस पल को यादगार बनाने के लिए उसी समय से ही दिवाली पर देवी काली की पूजा करके मनाया जाता है।सोने की लंका के स्वामी रावण का वध करने के बाद अयोध्या वापस लोटें तो वहां के नर-नारीयों ने समूचे राज्य को दीपों की रोशनी से जगमगा दिया और राम सीता लक्ष्मण के आगमन पर खुशी प्रकट करने हेतु आतिशबाजी कर पटाखे जलाये, तभी से भारत भूखंड में कार्तिक मास की अमावस्या को दिवाली मनाई जाती है। राजा विक्रमादित्य का राज्याभिषेक भी कार्तिक अमावस्या को हुआथा तबसे लोगों ने दिवाली को ऐतिहासिक पर्व के रुप से मनाना शुरु कर दिया था। बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध के अनुयायियों ने आज के लगभग 2500 वर्ष पूर्व गौतम बुद्ध के स्वागत में ने दीप जलाकर दीपावली मनाई थी। जैन धर्म को मानने वालों के मुताबिक कल्पसूत्र के अंदर बताया गया है कि महावीर के निर्वाण के साथ जो अंतरज्योति सदा के लिए बुझ गई है।

अमृतसर के स्वर्ण मंदिर की स्थापना भी वर्ष 1577 में दीवाली के मौके पर की गयी थी। तीसरे गुरु अमरदास जी ने दिवाली को लाल-पत्र दिन के पारंपरिक रुप में बदल दिया जिस पर सभी सिख अपने गुरुजनों का आशावाद पाने के लिये एक साथ मिलते है। सिख धर्म में इस दिन को बंदी छोड़ दिवस के रुप में जाना जाता है महर्षि दयानंद ने वर्ष 1875 में आर्य समाज की स्थापना की थी। महान समाज सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती ने कार्तिक मास की अमावस्या के दिन अजमेर में निर्वाण प्राप्त किया। उसी दिन से इस दिन को दिवाली के रूप में मनाया जा रहा है। मारवाड़ी कार्तिक की कृष्ण पक्ष के अंतिम दिन पर दिवाली पर अपने नए साल का उत्सव मनाते हैं एवं नये बही खाते प्रारम्भ करते हैं। गुजराती भी कार्तिक के महीने में शुक्ल पक्ष के पहले दिन दीवाली के एक दिन बाद अपने नए साल का उत्सव मनाते है। दिवाली शुरुआत में फसलों की कटाई के उत्सव के रुप में मनाई जाती थी। यह वह समय है जब भारत में किसान फसल काटकर संपत्ति और समृद्धि की देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं और उन्हें नई फसल में से उनका हिस्सा समर्पित करते हैं। दीपावली के दौरान आतिशबाजी करने और पटाखें जलाने के पीछे वैज्ञानिक आधार है। इसका मुख्य उद्देश्य मोसम परिवर्तन से उत्पन्न कीट कीड़े विशेष तया मच्छर से होने वाली जान लेवा खतरों का मुकाबला करना है, जो गीले से सर्दियों के मौसम में इन खतरनाक कीटों परजीवियों के लिए प्रजनन स्थल के रूप में कामकरता है।

दीयों को जलाने और उनसे रोशनी करने के पीछे विज्ञान है। जब हम घी या तेल का दिया जलाते हैं तो तेल या घी में मौजूद फैटी एसिड जलते हैं। इस प्रक्रिया में फैटी एसिड का एक अणु जलने से 56 कार्बन के अणु निकलते हैं और 52 पानी के अणु निकलते हैं।

– डा. जे के गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक
कालेज शिक्षा जयपुर

पी.डब्ल्यु.डी. द्वारा बनाई जा रही सड़क का ग्रामीणों ने विरोध किया

खेतड़ी, (निसं)। उपखंड के नंगली सलेदी सिंह पंचायत में पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से बनाई जा रही सड़क को लेकर गुरुवार को ग्रामीणों ने विरोध किया है। इस दौरान ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर खेती की भूमि में जबरन जेसीबी में चलाने पर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों की ओर से एसडीएम जय सिंह चौधरी को दिए ज्ञापन में बताया कि नंगली सलेदी सिंह पंचायत की कोठी की ढाणी में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सड़क का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है, जिसको लेकर विभाग ने सड़क निर्माण से पहले सड़क के अधीन आने वाली जमीन के किसानों को कोई सूचना नहीं दी और जबरन जेसीबी चलाकर हरे पेड़ों की कटाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि सड़क का निर्माण कार्य नियमानुसार नहीं होने से लोगों के साथ

- **खेती की भूमि में जेसीबी चलाने पर एसडीएम को ज्ञापन देकर की कार्रवाई की मांग**

भेदभाव किया जा रहा है। सड़क निर्माण करने के नाम पर किसानों से 20 से 25 फीट जमीन खाली करवाई जा रही है, जबकि नियमानुसार वह मुख्य रास्ता ही नहीं है।

पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए आसपास के ग्रामीणों को परेशान किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है। सड़क के निर्माण को लेकर विभाग की ओर से सड़क के अधीन आने वाली जमीन का कोई सीमाज्ञान भी नहीं करवाया गया। जब किसानों ने संबंधित ठेकेदार से जबरन चलाई जा रही जेसीबी मशीन को लेकर बात की तो ठेकेदार ने ग्रामीणों के साथ अभद्र व्यवहार किया, जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। इस दौरान ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देखकर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि यदि जल्द ही मामले में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया तो ग्रामीणों की ओर से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस संबंध में एसडीएम जय सिंह चौधरी ने कहा कि इस पीडब्ल्यूडी विभाग से करवाए जा रहे सड़क निर्माण को लेकर जानकारी जुटाई जाएगी। इसके बाद नियमानुसार सड़क बनवाने को लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर श्रीकिशन, सुरेश कुमार, मांगेलाल, नमन कुमार, कमल कुमार, मुकेश कुमार, राज, सुंदर सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

खेती की भूमि पर कार्यवाही करती जे.सी.बी.।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रंगोली और मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित

गंगापुर सिटी। गुरूवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई गंगापुर सिटी द्वारा ओम शिवम् स्कूल में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रंगोली एब महंदी प्रतियोगता का आयोजन किया गया।

एबीवीपी के सवाई माधोपुर विभाग संयोजक सीताराम गुर्जर ने बताया कि कला से बडा कोई हुनर नहीं होता है। जब भी कोई बात कला के माध्यम से कही जाती है तो वह लोगों के जहन पर लंबे समय तक असर करती हैं। रंगोली एवम मेहंदी के माध्यम से वोट करने का संदेश लोगों के जहन में उतर गया है और अब उनकी जिम्मेदारी और बढ गई है कि वह स्वयं भी मतदान करें और अन्य लोगों को भी वोट करने के लिए जागरूक करें।

- **अ.भा.वि.प. व स्कूल के विद्यार्थियों ने लोगों से शत-प्रतिशत मतदान का संदेश देते हुए चाइना समान ना खरीदने और स्वदेशी समान अपनाने पर भी जोर दिया**

कैंट मतदाता जागरुकता अभियान 25 नवंबर को सभी 100ः प्रतिशत मतदान करें और देश हित के लिए अपना वोट दे। विद्यालय के संस्थापक महेंद्र नापित ने बताया कि दीपावली पर सभी विद्यार्थी धूमधाम से मनाया और चाइना समान ना खरीदने और स्वदेशी समान अपनाने पर जोर दिया। मेहंदी प्रतियोगिता में पूजा नापित अध्यापिका और विद्यालय की छात्राएं सुमन, लक्ष्मी, सुमित्रा, शिवानी, मुस्कान, पूजा, गायत्री, पलक, मंजू नापित, पूजा, सुलमा, प्रियंका, आरती, अंजलि, रिमिशिम, मानसी, राखी आदि मोजूद थे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 10 नवम्बर, 2023

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2080, हस्त नक्षत्र रात्रि 12:08 तक, विष्कुम्भ योग सांय 5:05 तक, तैतिल करण दिन 12:36 तक, चन्द्रमा कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरू-मेष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज प्रदोष व्रत, धत तेरस (स्वयं सिद्ध अबूझ मुर्हूत) है। आज धन त्रयोदशी निमित्त सांय यमदीप दान और धनवन्तरी जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:08 तक, लाभ-अमृत 8:08 से 10:50 तक, शुभ 12:11 से 1:32 तक, चर 4:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:46, सूर्यास्त 5:35

मेष
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

मिथुन
घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा।

कन्या
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों का विस्तार होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। शुभ-मांगलिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मित्रों/रिश्तेदारों से बढ़ सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।